2375790

कुल पृष्ठ संख्या-24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें ।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय संस्कृतम्

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 30/03/2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	15	19	4
2	7	20	4
3	10	21	4
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	4	योग	80
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर.............................संकेतांक 60336

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

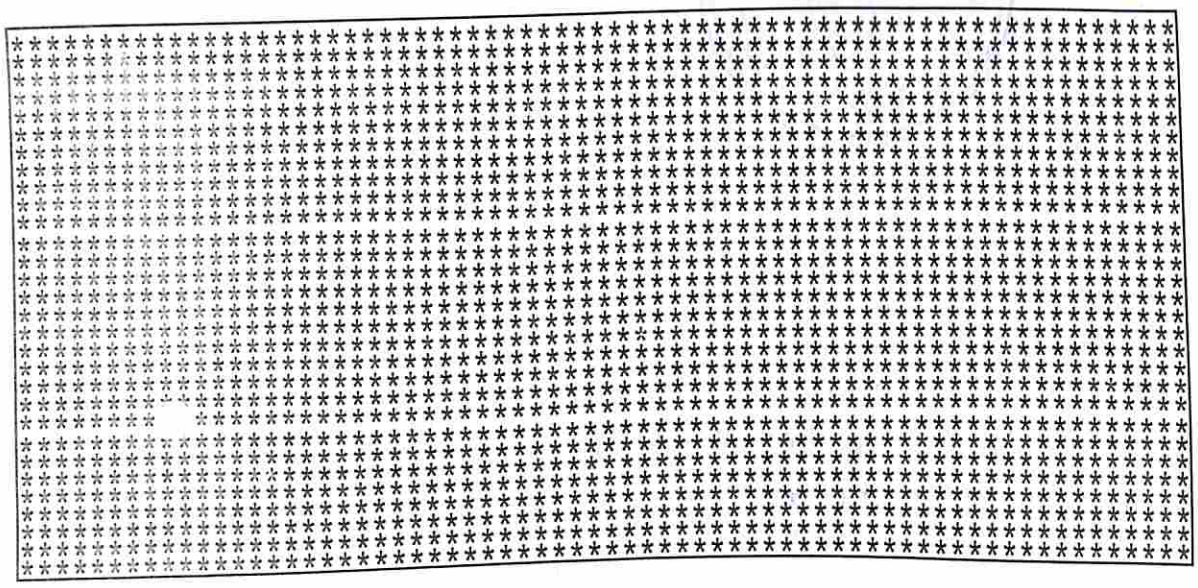

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – अ

उत्तर 1. ⇒ (i) (ब) देउलास्याग्रामे।

(ii) (स) राज्ञः।

(iii) (स) विद्याधनम्।

(iv) (द) भूकम्पस्य।

(v) (ब) ध्यानम्।

(vi) (स) बुद्धिः।

(vii) (ब) पश्यतिस् + चलति।

(viii) (स) पण्डितोजनः।

(ix) (ब) सम्यग्युक्तम्।

(x) (अ) नमस्ते।

(xi) (स) रामश्च लक्ष्मणश्च।

(xii) (ब) नीलकमलम्।

(xiii) (ब) बहुव्रीहिः।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xiv)	(स) उद्
1 (15)	(xv)	(अ) दुर् + बलम्
1		उत्तर 2. => (i) कुमारी।
1	(ii)	गुणवान्।
1	(iii)	~~कर्तव्यम्~~ करणीयम्।
1	(iv)	~~तम्~~ तव।
1	(v)	छात्राय।
1 (7)	(vi)	क्रीडति।
1	(vii)	करिष्यामि।
		उत्तर 3. => (अ) (क) एकपदेन उत्तरः =>
½	(i)	अनुशासनस्य।
½	(ii)	छात्राः
½	(iii)	अनुशासितः जनः।
½	(iv)	ईश्वरस्य।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ख)	पूर्णवाक्येन उत्तरः :=>
½	(i)	अनुशासनम् समाजे नियमानाम् पालनम् भवति।
1	(ii)	सामाजिकव्यवस्थायै अनुशासनमत्यन्तम् आवश्यकमस्ति।
1	(iii)	यः नरः पूर्णतया अनुशासनं पालयति सः स्वजीवने सदा सफलः भवति।
1	(ग)	शीर्षक => अनुशासनस्य महत्वम्।
½	(घ)	भाषिककार्यम् :=> (i) अनुशासन्।
½	(ii)	आवश्यकम्।
½	(iii)	प्रियः।
½	(iv)	भवति।
	(ङ)	संख्यावाची :=>
1	(i)	अष्टदशाधिकशतम्।
1	(ii)	द्विविंशत्यधिकद्विशतम्।
10		

खण्ड – ब

उत्तर 4.=> 'निकषा' शब्दस्य योगे 'विद्यालयम्' शब्दे द्वितीया

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		विभक्ति अस्ति।
2	उत्तर5. ⇒	रामाय नमः।
2	उत्तर6. ⇒	कः ताम् अपृच्छत् ?
2	उत्तर7. ⇒	सर्वे कामम् गच्छन्ति ?
	उत्तर8. ⇒	संपत्तौ च — — — — — — — — तथा ॥
		प्रसंग ⇒ प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य पुस्तक 'शेमुषी – द्वितीय भाग' के शीर्षक पाठ 'सुभाषितानि' से उद्धृत है। इस श्लोक में महान व्यक्ति की विशेषता बताते हुए कहता है कि —
2		भावार्थ ⇒ महान पुरुष सम्पत्ति तथा विपत्ति दोनों में एक समान रहता है। जिस प्रकार सूर्य उदये होते समय तथा अस्त होते समय लाल रंग का होता है। अर्थात वह सम्पति में ना तो अधिक प्रसन्न होता है और विपदा में ना ही घबराता है।
	उत्तर9. ⇒	(i) प्रजानां
2		(ii) प्रजानां
		(iii) राज्ञः
		(iv) प्रियम्
	उत्तर10. ⇒	श्लोक ⇒ 1. एकेन राजहंसेन या शोभा सरसो भवेत्। न सा बकसहस्रेण परितस्तीरवासिना ॥

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छाया समन्वितः।
यदि दैवात् फलम् नास्ति छाया केन निवार्यते॥

(2)

उत्तर 11. ⇒ पाठसारम् ⇒ 'जननी तुल्य वत्सला'

प्रस्तुत पाठ 'जननी तुल्य वत्सला' महाभारत के वनपर्व से लिया गया है। यह पाठ सभी जीवों में समान स्नेह तथा समानदृष्टि दर्शाता है। पाठ के अनुसार कोई किसान अपने दो बैलों के साथ खेत की जुताई कर रहा था। उनमें से एक बैल शरीर से दुर्बल था। किसान उस बैल को अत्यधिक कष्ट देता था। हल उठाने में असमर्थ होकर वह बैल भूमि पर गिर पड़ा। भूमि पर गिरे हुए अपने पुत्र को देखकर गौमाता सुरभि की आँख में से आँसू निकल आए। सुरभि को रोता देखकर देवराज इन्द्र ने सुरभि से इसका कारण पूछा। कारण पूछने पर सुरभि ने कहा कि- वह अपने पुत्र की दीन दशा देखकर रो रही है। किसान यह जानता है कि वह दुर्बल है फिर भी वह उसे अत्यधिक कष्ट देता है। सुरभि के कारण बताने पर इन्द्र ने कहा कि- तुम्हारी तो हजारों सन्तानें हैं फिर इस पुत्र से इतना स्नेह क्यों? इन्द्र के पूछने पर सुरभि ने उत्तर दिया कि- उसकी हजारों सन्तानें जरूर है परन्तु यह अन्य से दुर्बल है वह इसमें अत्यधिक पीड़ा का अनुभव करती है। सुरभि के वचन सुनकर आश्चर्यचकित इन्द्र का भी हृदय द्रवित हो उठा तथा जोर से बारिश होने लगी। बारिश होती देख किसान अत्यधिक प्रसन्न होकर अपने दोनों बैलों को लेकर घर चला गया। पाठ के अन्त में कहा गया है कि सभी सन्तानों में माता का एक

(2)

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		समान स्नेह रहता है परन्तु दीन पुत्र में माता की अधिक कृपा होती है।
	उत्तर 12. ⇒	(क) ⟶ (ख)
2		(i) काननै ⟹ वने
		(ii) जम्बुक: ⟹ शृगाल:
		(iii) वेला ⟹ समय:
		(iv) हिमकर: ⟹ चन्द्र:
3	उत्तर 13. ⇒	(i) अश्व: जवेन धावति।
		(ii) पिपीलिका शनै: चलति।
		(iii) ग्रामात् बहि: विद्यालय: अस्ति।

खण्ड – स

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	उत्तर 14. ⇒	(क) (i) सिंह:।
½		(ii) नदी।
1		(ख) (i) एवमेव वानरा: वारं – वारं सिंहम् नुदन्ति।
1		(ii) एक: वानर: पुच्छम् धुनोति।
½		(ग) (i) हर्ष मिश्रितम्।
½		(ii) आरोहति।
4	उत्तर 15. ⇒	(क) (i) वायुमण्डलम्।
½		(ii) धरातलम्।
½		

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 (ख) (i) भक्ष्यम् कुत्सित वस्तु मिश्रितम् समलं धरातलम् च जातम्।
1 (ii) बहुशुद्धीकरणम् बाहिरन्तर्जगति करणीयम्।

½ (ग) (i) जलम्।
½ (ii) करणीयम्।

उत्तर 16. => (क) (i) पिका:
½ (ii) गजः

1 (ख) (i) गजः जन्तुम् स्वशुण्डेन पोथयित्वा मारयिष्यामि।
1 (ii) वानरः गजस्य पुच्छम् विधुय वृक्षोपरि आरोहति।

½ (ग) (i) काकः।
½ (ii) पालयामि।

उत्तर 17. => (i) मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत्। — (5)
(ii) एकदा सः जाले बद्धः। — (2)
(iii) सिंहः जालात् मुक्त भूत्वा मूषकं प्रशंसाम् गतवान्। — (6)
(iv) एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति स्म। — (1)
(v) सः सम्पूर्ण प्रयासम् अकरोत् परं बन्धनात् न मुक्तः। — (3)
(vi) तदा तस्य स्वरं श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत्। — (4)

खण्ड — द

उत्तर 18. => प्रिय सखि गीते!

सादरं (i) नमोनमः

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अत्र (ii) कुशलम् तत्रास्तु। ह्यः अहम् उद्यानभ्रमणार्थं गतवती। उद्याने (iii) पशुपक्षिणः आसन्। तत्र (iv) जना इस्ततः भ्रमन्ति स्मः। श्वेत (v) कपोतः तत्रासीत्। तत्र उद्याने जनाः एकत्र उपविश्य (vi) भोजनम् खादन्ति स्म। अहं नद्यां (vii) नौका विहारम् कृतवती। उद्यानभ्रमणम् (viii) आनन्ददायकम् आसीत्।

भवदीया सखी
शारिका

उत्तर 19. ⇒ (i) करोषि।

(ii) अधुना।

(iii) क्रीडाङ्गणे।

(iv) सह।

(v) क्रीडायाम्।

(vi) आवश्यकता।

(vii) अध्ययनम्।

(viii) बहुलाभम्।

उत्तर 20. ⇒

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उत्तर 20. (ii)	नदीम् निकषा मम गृहम् अस्ति।
1	(iii)	गोविन्दः श्वः आगमिष्यति।
1	(iv)	सः उच्चैः हसति।
1	(vi)	त्वम् मया सह पठ।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB R-17 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB 177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 17 2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024